



NCERT

— THROUGH QUESTIONS —

भारत एवं विश्व का भूगोल

तृतीय संस्करण

कक्षा 6 से 12 तक की पुरानी तथा नई एनसीईआरटी का
अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का व्याख्या सहित हल



दृष्टि लर्निंग ऐप पर उपलब्ध प्रमुख कोर्सेज़

IAS Foundation Course

सामान्य अध्ययन

प्रिलिम्स + मेन्स

- 1200+ घंटों की 500+ कक्षाएँ
- सभी टॉपिक के लिये प्रिंटेड नोट्स
- 3 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ

IAS Foundation Course

General Studies

Prelims + Mains

- 400+ Classes of 1000+ hrs.
- Printed Notes of All Segments
- Other special facilities for 3 years

IAS Prelims Course

सामान्य अध्ययन

केवल प्रिलिम्स

- 500+ घंटों की कक्षाएँ
- 'विचक बुक सीरीज़' की 9 पुस्तकें
- 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ

IAS + UPPCS + BPSO Optional Subject

हिंदी साहित्य

द्वारा- डॉ. विकास दिव्यकीर्ति

- 400+ घंटों की कक्षाएँ
- पाठ्यक्रम में शामिल सभी पाठ्य-पुस्तकें तथा प्रिंटेड नोट्स
- 145 दैनिक अभ्यास प्रश्न और 18 टेस्ट पेपर (मॉडल उत्तर सहित)

BPSO Prelims Course

बिहार PCS

- 400+ घंटों की कक्षाएँ
- 'BPSO सीरीज़' की 8 पुस्तकें
- 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ

RAS/RTS Prelims Course

राजस्थान PCS

- 500+ घंटों की कक्षाएँ
- 'RAS सीरीज़' की 8 पुस्तकें
- 2 वर्षों के लिये अन्य विशेष सुविधाएँ

एथिक्स (पेपर-4)

द्वारा- डॉ. विकास दिव्यकीर्ति

- कुल 70 कक्षाएँ
- IAS के साथ-साथ UPPCS के लिये पूर्णतः सटीक
- मूल्यांकन की सुविधा के साथ 6 टेस्ट

निबंध

द्वारा- डॉ. विकास दिव्यकीर्ति

- कुल 13 कक्षाएँ
- IAS के साथ-साथ PCS के लिये पूर्णतः सटीक
- मूल्यांकन की सुविधा के साथ 20 टेस्ट

अतिरिक्त जानकारी के लिये 9311406442
नंबर पर कॉल या वाट्सएप करें

विज़िट करें
www.drishtiIAS.com

अपने फोन पर इंस्टॉल करें
Drishti Learning App



भारत एवं विश्व का भूगोल

तृतीय संस्करण



दृष्टि पब्लिकेशन्स

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

दूरभाष: 011-47532596, 87501 87501

Website : www.drishtias.com

E-mail : booksteam@groupdrishti.com

शीर्षक : भारत एवं विश्व का भूगोल (NCERT)

लेखक : टीम दृष्टि

तृतीय संस्करण : अगस्त 2021

मूल्य : ₹ 250

ISBN : 978-81-93631-45-4

प्रकाशक

VDK Publications Pvt. Ltd.

(दृष्टि पब्लिकेशन्स)

641, प्रथम तल,

डॉ. मुखर्जी नगर,

दिल्ली-110009

विधिक घोषणाएँ

- ★ इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये ज़िम्मेदार नहीं है।
- ★ हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- ★ सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।
- ★ © **कॉपीराइट**: दृष्टि पब्लिकेशन्स (A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.), सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।
- ★ एम.पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेज़-2, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित।

प्रिय पाठको,

दृष्टि पब्लिकेशन्स ने अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए 'NCERT Series' की जो नवीन शृंखला प्रारंभ की है, उसकी दूसरी कड़ी के रूप में 'भारत एवं विश्व का भूगोल' पुस्तक प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। इसमें कक्षा VI से XII तक की नई और पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों को प्रश्नोत्तर शैली में प्रस्तुत किया गया है। नई व पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों को शामिल करने का हमारा मुख्य ध्येय यह रहा है कि सिविल सेवा परीक्षा सहित अन्य एकदिवसीय परीक्षाओं में यदि भूगोल एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों को आधार बनाकर प्रश्न पूछे जाएँ तो अभ्यर्थियों को उनके उत्तर देने में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। उन्हें इस बात का मलाल न रहे कि काश! नई के साथ-साथ पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. की पुस्तकों को भी पढ़ लिया होता तो अमुक प्रश्न का सही उत्तर दे पाता। इस पुस्तक को पूरी तरह दोषरहित और सर्वोत्कृष्ट बनाने की हमारी ज़िद थी जिस कारण इसके प्रथम प्रकाशन में विलंब हुआ। किंतु हमारी मेहनत को आप पाठकों ने इतना सराहा कि अब हम इसका तृतीय संस्करण प्रस्तुत कर रहे हैं। निश्चित ही इस संस्करण में आवश्यक तथ्यों व अवधारणाओं को अपडेट कर दिया गया है।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर इस पुस्तक में कौन-सी ऐसी विशेषताएँ हैं जो बाज़ार में उपलब्ध भूगोल एन.सी.ई.आर.टी. की अन्य पुस्तकों से इसे अलग करती है? इसका उत्तर पुस्तक को पढ़कर कोई सुधी पाठक ही दे सकता है। मैं तो बस इतना कहना चाहूँगा कि भाषा-शैली की सरलता, संकल्पनाओं की बोधगम्यता तथा तथ्यों की त्रुटिरहित प्रस्तुति इसे बाज़ार की अन्य पुस्तकों से अलग कर देती है।

भूगोल की नई और पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों को प्रश्नोत्तर रूप में प्रस्तुत करने का बीड़ा इस विषय में सुदीर्घ अनुभव रखने वाली हमारी 10 सदस्यीय टीम ने उठाया। पुस्तक लेखन के दौरान इन सदस्यों ने पाया कि कुछ जगहों पर तथ्यों के अपडेशन के स्तर पर हिन्दी और अंग्रेज़ी की एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों में अंतर है। इस बात को ध्यान में रखकर हमने उन्हें यथासंभव प्रामाणिक स्रोतों से अपडेट करने का प्रयास किया है। कई जगहों पर हमने पाया कि एन.सी.ई.आर.टी., विभिन्न मंत्रालयों की साइटों तथा अन्य प्रामाणिक स्रोतों में मतैक्य नहीं है, वहाँ नोट डालकर विषय-वस्तु को स्पष्ट किया गया है। प्रश्नों की व्याख्या के लिये इसमें अन्य पुस्तकों की तरह आसान और सतही तरीका नहीं अपनाया गया है जिनमें सही विकल्प के बारे में दो-तीन तथ्य देकर काम निपटा दिया जाता है। हमने प्रश्न के प्रत्येक विकल्प, उससे संबंधित तथ्यों और अवधारणाओं पर विचार करते हुए उनके सही उत्तर दिये हैं। इस पुस्तक में अनावश्यक तथ्यों को शामिल करने से पूरी तरह बचा गया है ताकि अभ्यर्थियों का बहुमूल्य समय व्यर्थ न हो और कम-से-कम समय में 240 पृष्ठों की इस पुस्तक का अध्ययन कर वे अपनी सफलता को सुनिश्चित कर सकें। भाषागत स्तर पर अशुद्धियाँ नगण्य रहें, इसके लिये पुस्तक का कई चरणों में अतिसूक्ष्म तरीके से निरीक्षण किया गया है। प्रश्नोत्तर शैली में प्रस्तुत इस पुस्तक के अध्ययन से न सिर्फ भूगोल संबंधी आपकी समझ का दायरा विस्तृत होगा, बल्कि अगर आप पूरे मनोयोग से व्याख्याओं का अध्ययन करते हैं तो परीक्षा हॉल में जटिल अवधारणात्मक प्रश्नों के उत्तर भी सहजता से दे पाएंगे।

अब पुस्तक आपके हाथ में है। अब आप ही तय करेंगे कि पुस्तक आपकी अपेक्षाओं पर कितनी खरी उतरी, पर मुझे विश्वास है कि यह आपकी तैयारी और सफलता में उपयोगी सिद्ध होगी। वैसे तो इस पुस्तक को त्रुटिरहित बनाने का पूरा प्रयास किया गया है लेकिन कोई भी कृति शत-प्रतिशत दोषरहित नहीं होती। उसमें कुछ कमियों का रह जाना स्वाभाविक है। अतः मेरा निवेदन है कि आप पुस्तक को पाठक के साथ-साथ आलोचक की नज़र से भी पढ़ें। **अगर आपको इसमें कोई भी कमी दिखे तो अपनी बात बेझिझक '8130392355' नंबर पर वाट्सएप मैसेज से भेज दें।** आपकी टिप्पणियों और सुझावों के आधार पर हम पुस्तक के आगामी संस्करणों को और भी बेहतर बना सकेंगे।

साभार,
प्रधान संपादक
दृष्टि पब्लिकेशन्स

अनुक्रम

कक्षा-VI

1-26

◆ सामाजिक विज्ञान-पृथ्वी : हमारा आवास

1. सौरमंडल में पृथ्वी
2. ग्लोब : अक्षांश और देशांतर
3. पृथ्वी की गतियाँ
4. मानचित्र
5. पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल
6. पृथ्वी के प्रमुख स्थलरूप
7. हमारा देश : भारत
8. भारत : जलवायु, वनस्पति तथा वन्य प्राणी

—| पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. |—

◆ देश और उनके निवासी, भाग-I

1. अफ्रीका
2. दक्षिण अमेरिका
3. ऑस्ट्रेलिया
4. अंटार्कटिका

कक्षा-VII

27-57

◆ सामाजिक विज्ञान-हमारा पर्यावरण

1. पर्यावरण
2. हमारी पृथ्वी के अंदर
3. हमारी बदलती पृथ्वी
4. वायु
5. जल
6. प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन
7. मानवीय पर्यावरण : बस्तियाँ, परिवहन एवं संचार
8. मानव पर्यावरण अन्योन्यक्रिया : उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण प्रदेश
9. शीतोष्ण घासस्थलों में जीवन
10. रेगिस्तान में जीवन

—| पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. |—

◆ देश और उनके निवासी, भाग-II

1. उत्तर अमेरिका
2. यूरोप

◆ सामाजिक विज्ञान-संसाधन एवं विकास

1. संसाधन
2. भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन संसाधन
3. खनिज और शक्ति संसाधन
4. कृषि
5. उद्योग
6. मानव संसाधन

—————| पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. |—————

◆ देश और उनके निवासी, भाग-III

1. एशिया

◆ कक्षा-IX : सामाजिक विज्ञान-समकालीन भारत-1

कक्षा-XI : भारत : भौतिक पर्यावरण

1. भारत-आकार और स्थिति
2. भारत का भौतिक स्वरूप
3. भारत का अपवाह तंत्र
4. जलवायु
5. प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी
6. मृदा

◆ सामाजिक विज्ञान-समकालीन भारत-2

1. संसाधन एवं विकास
2. वन एवं वन्यजीव संसाधन
3. जल संसाधन
4. कृषि
5. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
6. विनिर्माण उद्योग
7. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

◆ भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत

1. भूगोल-एक विषय के रूप में
2. पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास
3. पृथ्वी की आंतरिक संरचना
4. महासागरों और महाद्वीपों का वितरण
5. खनिज एवं शैल
6. भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ
7. भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास
8. वायुमंडल का संघटन तथा संरचना
9. सौर विकिरण, ऊष्मा संतुलन एवं तापमान
10. वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँ
11. वायुमंडल में जल
12. विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन
13. महासागरीय जल
14. महासागरीय जल संचलन
15. पृथ्वी पर जीवन
16. जैव विविधता एवं संरक्षण

◆ मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

1. मानव भूगोल-प्रकृति एवं विषय क्षेत्र
2. विश्व जनसंख्या-वितरण, घनत्व और वृद्धि
3. जनसंख्या संघटन
4. मानव विकास
5. प्राथमिक क्रियाएँ
6. द्वितीयक क्रियाएँ
7. तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप
8. परिवहन एवं संचार
9. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
10. मानव बस्ती

◆ भारत : लोग और अर्थव्यवस्था

1. जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन
2. प्रवास : प्रकार, कारण और परिणाम
3. मानव विकास
4. मानव बस्तियाँ
5. भू-संसाधन तथा कृषि
6. जल संसाधन
7. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
8. निर्माण उद्योग
9. भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत् पोषणीय विकास
10. परिवहन तथा संचार
11. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
12. भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

सामाजिक विज्ञान-पृथ्वी : हमारा आवास

1. सौरमंडल में पृथ्वी

1. निम्नलिखित में से कौन-से खगोलीय पिंड हैं?

- | | |
|-----------|---------------|
| 1. सूर्य | 2. चंद्रमा |
| 3. पृथ्वी | 4. उल्का पिंड |

कूट:

- | | |
|------------------|-------------------|
| (a) केवल 1 एवं 2 | (b) केवल 2 एवं 4 |
| (c) केवल 3 एवं 4 | (d) उपर्युक्त सभी |

उत्तर: (d)

व्याख्या: सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, उल्का पिंड तथा वे सभी वस्तुएँ जो रात के समय आसमान में चमकती हैं, 'खगोलीय पिंड' कहलाती हैं।

2. किन खगोलीय पिंडों को तारा कहते हैं?

- | |
|---|
| (a) जो आकार में बहुत बड़े नहीं हों। |
| (b) जिनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश होता है। |
| (c) जिनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश नहीं होता। |
| (d) जो अपने अक्ष में घूमते हुए दूसरे पिंड की परिक्रमा करते हैं। |

उत्तर: (b)

व्याख्या: कुछ खगोलीय पिंड बड़े आकार वाले तथा गर्म होते हैं। ये गैसों से बने होते हैं। इनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश होता है, जिसको वे बड़ी मात्रा में उत्सर्जित करते हैं। इन खगोलीय पिंडों को 'तारा' कहते हैं। सूर्य भी एक तारा है।

3. तारों के विभिन्न समूहों के द्वारा बनाई गई विविध आकृतियाँ क्या कहलाती हैं?

- | | |
|----------------|-----------------|
| (a) आकाश गंगा | (b) सौरमंडल |
| (c) एंड्रोमीडा | (d) नक्षत्रमंडल |

उत्तर: (d)

व्याख्या: रात्रि में आसमान की ओर देखते समय तारों के विभिन्न समूहों के द्वारा बनाई गई आकृतियाँ दिखाई देती हैं, इन्हें 'नक्षत्रमंडल' कहते हैं।

4. अंतरिक्ष से संबंधित 'अर्सा मेजर' या 'बिग बीयर' का संबंध किससे है?

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| (a) सौरमंडल | (b) नक्षत्रमंडल |
| (c) क्षुद्र ग्रह समूह | (d) इनमें से कोई नहीं |

उत्तर: (b)

व्याख्या: 'अर्सा मेजर' या 'बिग बीयर' एक प्रकार का नक्षत्रमंडल है। स्मॉल बीयर या सप्तऋषि (सात तारों का समूह) बहुत आसानी से पहचान में आने वाला नक्षत्रमंडल है। यह एक बड़े नक्षत्रमंडल अर्सा मेजर के भाग है।

5. किन खगोलीय पिंडों को 'ग्रह' कहा जाता है?

- | |
|---|
| (a) जो आकार में बहुत बड़े हों |
| (b) जिनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश होता है |
| (c) जिनके पास अपनी ऊष्मा एवं प्रकाश नहीं होता एवं जो तारों के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं |
| (d) जिनका अपना गुरुत्वाकर्षण बल होता है |

उत्तर: (c)

व्याख्या: कुछ खगोलीय पिंडों में अपना प्रकाश एवं ऊष्मा नहीं होती है। वे तारों के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं। ऐसे पिंड 'ग्रह' कहलाते हैं। ग्रह जिसे अंग्रेजी में 'प्लेनेट' (Planet) कहते हैं, ग्रीक भाषा के प्लेनेटार्ई (Planetai) से बना है, जिसका अर्थ होता है- परिभ्रमक अर्थात् चारों ओर घूमने वाले।

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- | |
|---|
| 1. पृथ्वी एक ग्रह है तथा यह अपना संपूर्ण प्रकाश एवं ऊष्मा सूर्य से प्राप्त करती है। |
| 2. पृथ्वी सूर्य से दूरी के हिसाब से चौथा ग्रह तथा आकार में तीसरा बड़ा ग्रह है। |

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- | | |
|------------------|----------------------|
| (a) केवल 1 | (b) केवल 2 |
| (c) 1 और 2 दोनों | (d) न तो 1 और न ही 2 |

उत्तर: (a)

व्याख्या: पृथ्वी, जिस पर हम रहते हैं एक ग्रह है। यह अपना संपूर्ण प्रकाश एवं ऊष्मा सूर्य से प्राप्त करती है, जो कि पृथ्वी के सबसे नजदीक का तारा है। पृथ्वी को बहुत अधिक दूरी से, जैसे चंद्रमा से देखने पर यह चंद्रमा की तरह चमकती हुई प्रतीत होगी। सूर्य से दूरी के हिसाब से पृथ्वी तीसरा ग्रह है तथा आकार में पाँचवा सबसे बड़ा ग्रह है।

7. सूर्य से बढ़ती हुई दूरी के आधार पर ग्रहों का सही क्रम चुनिये:

- | |
|---------------------------------|
| (a) बुध - मंगल - शुक्र - पृथ्वी |
| (b) शुक्र - मंगल - पृथ्वी - बुध |
| (c) बुध - शुक्र - मंगल - पृथ्वी |
| (d) बुध - शुक्र - पृथ्वी - मंगल |

उत्तर: (d)

व्याख्या: सूर्य से बढ़ती दूरी के हिसाब से ग्रहों का सही क्रम: बुध-शुक्र - पृथ्वी-मंगल-बृहस्पति-शनि-यूरेनस (अरुण)-नेपच्यून (वरुण)।

8. नीचे दिये गए ग्रहों में से कौन-से आंतरिक ग्रह हैं?

- | | |
|---------|-------------|
| 1. बुध | 2. शुक्र |
| 3. मंगल | 4. बृहस्पति |

कूट:

- | | |
|----------------|-------------------|
| (a) 1, 2 एवं 4 | (b) 1, 2 एवं 3 |
| (c) 2, 3 एवं 4 | (d) उपर्युक्त सभी |

देश और उनके निवासी, भाग-1

1. अफ्रीका

1. अफ्रीका महाद्वीप यूरोप से किन स्थलाकृतिक संरचनाओं के द्वारा अलग होता है?

1. जिब्राल्टर जलसंधि
2. भूमध्यसागर
3. उत्तरी अटलांटिक सागर
4. बाब-एल-मंदेब जलसंधि

- नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:
- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3 और 4
(c) केवल 2 और 4 (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: अफ्रीका महाद्वीप, यूरोप महाद्वीप से भूमध्य सागर एवं जिब्राल्टर जलसंधि के द्वारा अलग होता है।

● जिब्राल्टर जलसंधि स्पेन को अफ्रीका महाद्वीप के मोरक्को से अलग करती है तथा भूमध्यसागर को उत्तरी अटलांटिक महासागर से जोड़ती है।

2. निम्नलिखित में से कौन-सी स्थलाकृति एशिया महाद्वीप को अफ्रीका महाद्वीप से अलग करती है?

1. स्वेज़ नहर
2. लाल सागर
3. बाब-एल-मंदेब जलसंधि
4. मोज़ांबिक चैनल

कूट:

- (a) 1 और 4 (b) 2, 3 और 4
(c) 1, 2 और 3 (d) 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या: अफ्रीका महाद्वीप, एशिया महाद्वीप से लाल सागर, स्वेज़ नहर एवं बाब-एल-मनदेब जलसंधि के द्वारा अलग होता है।

● स्वेज़ नहर: लाल सागर को भूमध्य सागर से जोड़ती है तथा अरब के सिनई प्रायद्वीप को अफ्रीका महाद्वीप से अलग करती है। स्वेज़ नहर के उत्तरी छोर पर पोर्ट सईद तथा दक्षिणी छोर पर पोर्ट स्वेज़ अवस्थित हैं।

● बाब-एल-मंदेब जलसंधि लाल सागर को अरब सागर की अदन की खाड़ी से जोड़ती है तथा अफ्रीका महाद्वीप के जिबूती और सोमालिया को अरब प्रायद्वीप के यमन से अलग करती है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा अफ्रीका महाद्वीप का सबसे ऊँचा शिखर है?

- (a) माउंट कैमरून (b) माउंट टोबैकल
(c) माउंट कीनिया (d) माउंट किलिमंजारो

उत्तर: (d)

व्याख्या: लगभग पूरा अफ्रीका महाद्वीप पठार जैसा दिखाई देता है। अफ्रीका का पठार दक्षिण और पूर्व में अपेक्षाकृत ऊँचा है। अफ्रीका के पूर्वी भाग में कुछ ज्वालामुखी पर्वतों के शिखर हैं। अफ्रीका का सबसे ऊँचा शिखर इसी पूर्वी उच्च भूमि प्रदेश में स्थित है। इस सर्वोच्च शिखर का नाम 'माउंट किलिमंजारो' है।

4. अफ्रीका महाद्वीप के किस भाग में एटलस पर्वत का विस्तार है?

- (a) उत्तर-पश्चिमी भाग (b) दक्षिणी भाग
(c) उत्तर-पूर्वी भाग (d) मध्य भाग

उत्तर: (a)

व्याख्या: अफ्रीका में दो छोटी पर्वत श्रेणियाँ हैं। इसके उत्तर-पश्चिमी भाग में एटलस पर्वत फैले हुए हैं। दूसरी पर्वत श्रेणी इस महाद्वीप के दक्षिण-पूर्वी तट के साथ-साथ है। इसे 'ड्रेकेंसबर्ग पर्वत' कहते हैं।

● एटलस पर्वत अफ्रीका का नवीन मोड़दार पर्वत है तथा इस पर्वत का विस्तार मोरक्को, अल्जीरिया और ट्यूनीशिया में है। माउंट टौबकल एटलस पर्वत की सबसे ऊँची चोटी है।

5. 'महान भूभ्रंश घाटियाँ' किस महाद्वीप के विशेष भौतिक लक्षण हैं?

- (a) अफ्रीका महाद्वीप
(b) दक्षिण अमेरिका महाद्वीप
(c) उत्तर अमेरिका महाद्वीप
(d) यूरोप

उत्तर: (a)

व्याख्या: अफ्रीका महाद्वीप का एक विशेष भौतिक लक्षण यहाँ की महान भूभ्रंश घाटी है। भूभ्रंश घाटियाँ धरातल में दरार या भ्रंश पट्टे से बनी लंबी और गहरी घाटियाँ हैं। इसके दोनों किनारे दीवारों की तरह सीधे खड़े ढाल वाले होते हैं। अफ्रीका में ऐसी भूभ्रंश घाटियों की एक लंबी शृंखला है। यह मलावी झील के दक्षिण से उत्तर में लाल सागर, स्वेज़ की खाड़ी से होते हुए मृत सागर तक चली गई है। इसलिये इसे 'महान भूभ्रंश घाटी' कहते हैं।

6. निम्नलिखित में से किस झील से नील नदी निकलती है?

- (a) करिबा झील (b) तंजनाइका
(c) विक्टोरिया झील (d) तुर्काना झील

उत्तर: (c)

व्याख्या: नील नदी विक्टोरिया झील से निकलती है। नील नदी संसार की सबसे लंबी नदी है। यह विषुवत् वृत्त के निकट के भारी वर्षा वाले क्षेत्र से निकलकर उत्तर की ओर बहती है।

7. नीचे दिये गए किस सागर/महासागर में नील नदी के द्वारा डेल्टा का निर्माण किया जाता है?

- (a) लाल सागर (b) भूमध्य सागर
(c) उत्तरी अटलांटिक महासागर (d) काला सागर

उत्तर: (b)

व्याख्या: नील नदी सहारा रेगिस्तान की बहुत लंबी यात्रा करती हुई भूमध्य सागर में विशाल डेल्टा का निर्माण करती है। मिस्र की प्राचीन सभ्यता का विकास नील नदी घाटी में हुआ है। श्वेत नील एवं नीली नील इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।

सामाजिक विज्ञान - हमारा पर्यावरण

1. पर्यावरण

1. निम्नलिखित में से कौन-सा/से घटक पर्यावरण के अंतर्गत शामिल है/हैं?

1. मनुष्य
2. धरातलीय स्थलाकृति
3. मानव निर्मित वस्तुएँ
4. प्राकृतिक वस्तुएँ

कूट:

- (a) केवल 1, 2 और 3
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (d)

व्याख्या: किसी भी जीवित प्राणी के चारों ओर पाये जाने वाले लोग, स्थान, वस्तुएँ एवं प्रकृति को 'पर्यावरण' कहते हैं। यह प्राकृतिक एवं मानव-निर्मित परिघटनाओं का मिश्रण है। प्राकृतिक पर्यावरण में पृथ्वी पर पाई जाने वाली जैविक एवं अजैविक दोनों परिस्थितियाँ सम्मिलित हैं, जबकि मानवीय पर्यावरण में मानव की परस्पर प्रतिक्रियाएँ, उनकी गतिविधियाँ एवं उनके द्वारा बनाई गई रचनाएँ (Creations) सम्मिलित हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य हैं?

1. पृथ्वी के वायुमंडल का अस्तित्व, उसके गुरुत्वाकर्षण बल के कारण है।
2. वायुमंडल में परिवर्तन होने से मौसम एवं जलवायु में परिवर्तन होता है।
3. पादप एवं जीव-जंतु मिलकर जैव मंडल का निर्माण करते हैं।

कूट:

- (a) 1 और 2
(b) 2 और 3
(c) 1 और 3
(d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (d)

व्याख्या: उपर्युक्त तीनों कथन सत्य हैं।

- पृथ्वी के चारों ओर फैली हुई वायु की पतली परत को 'वायुमंडल' कहते हैं। पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल अपने चारों ओर के वायुमंडल को थामे रखता है। यह हमें सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाता है। इसमें कई प्रकार की गैसों, धूलकण एवं जलवाष्प उपस्थित रहते हैं। वायुमंडल में परिवर्तन होने पर मौसम एवं जलवायु में परिवर्तन होता है।
- पादप एवं जीव-जंतु मिलकर जैवमंडल का निर्माण करते हैं। यह पृथ्वी का वह संकीर्ण क्षेत्र है, जहाँ स्थल, जल एवं वायु मिलकर जीवन को संभव बनाते हैं।

3. 'पर्यावरण' शब्द की उत्पत्ति किस भाषा से हुई है?

- (a) फ्रेंच
(b) जर्मन
(c) संस्कृत
(d) अंग्रेजी

उत्तर: (a)

व्याख्या: पर्यावरण यानी 'एनवायरनमेंट' शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच शब्द 'एनवायरोनेर' या 'एनवायरोन्नेर' से हुई है, जिसका अर्थ है- 'पड़ोस' (Neighbourhood)। कुछ स्रोतों में यह भी पढ़ने को मिलता है कि The word "Environment" comes from the French verb "Environner" which means to surround, surroundings or something that surrounds.

4. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'पारितंत्र' को सही तरीके से परिभाषित करता है?

- (a) एक-दूसरे से अन्योन्यक्रिया करने वाले जीवों का समुदाय।
(b) पृथ्वी का वह स्थान जहाँ सजीव रहते हैं।
(c) जीवधारियों का आपसी संबंध एवं पर्यावरण के बीच का संबंध जिसमें वे रहते हैं।
(d) किसी भी भौगोलिक क्षेत्र की वनस्पति एवं प्राणी।

उत्तर: (c)

व्याख्या: सभी पेड़-पौधे एवं जीव-जंतु अपने आस-पास के पर्यावरण पर आश्रित होते हैं। जीवधारियों का आपसी एवं अपने आस-पास के पर्यावरण के बीच का संबंध ही पारितंत्र का निर्माण करता है।

- वह तंत्र जिसमें समस्त जीवधारी आपस में एक-दूसरे के साथ तथा पर्यावरण के उन भौतिक एवं रासायनिक कारकों के साथ परस्पर क्रिया करते हैं, जिसमें वे निवास करते हैं, उसे पारितंत्र कहा जाता है। ये सब ऊर्जा तथा पदार्थ के स्थानांतरण द्वारा संबद्ध हैं।

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये:

सूची-I

सूची-II

- | | |
|-------------|---|
| A. जैवमंडल | 1. पृथ्वी के चारों ओर फैली वायु की पतली परत |
| B. वायुमंडल | 2. जलीय क्षेत्र |
| C. जलमंडल | 3. पृथ्वी का वह संकीर्ण क्षेत्र जहाँ स्थल, जल एवं वायु मिलकर जीवन को संभव बनाते हैं |
| D. स्थलमंडल | 4. पृथ्वी की ठोस परपटी या कठोर उपरी परत |

कूट:

- | | | | | |
|-----|---|---|---|---|
| | A | B | C | D |
| (a) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (b) | 4 | 2 | 3 | 1 |
| (c) | 3 | 1 | 2 | 4 |
| (d) | 4 | 3 | 2 | 1 |

उत्तर: (c)

व्याख्या: पादप एवं जीव-जंतु मिलकर जैवमंडल या सजीव संसार का निर्माण करते हैं। यह पृथ्वी का वह संकीर्ण क्षेत्र है, जहाँ स्थल, जल एवं वायु मिलकर जीवन को संभव बनाते हैं।

देश और उनके निवासी, भाग-II

1. उत्तर अमेरिका

1. उत्तर अमेरिका महाद्वीप के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. क्षेत्रफल की दृष्टि से यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है।
2. ग्रीनलैंड इसी महाद्वीप का भाग है।
3. दक्षिण में यह महाद्वीप भूमि की एक सँकरी पट्टी के रूप में बदल गया है, जो मध्य अमेरिका कहलाता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: उत्तर अमेरिका एशिया और अफ्रीका के बाद विश्व का तीसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। अतः कथन 1 गलत है। यह महाद्वीप उत्तर-पश्चिम में अलास्का, उत्तर-पूर्व में लैब्राडोर तथा दक्षिण में पनामा के मध्य फैला हुआ है।

- उत्तर-पूर्व का सबसे बड़ा द्वीप ग्रीनलैंड इसी महाद्वीप का भाग है, जो वर्तमान में राजनीतिक रूप से 'डेनमार्क' के अधीन है। अतः कथन 2 सही है।
- दक्षिण में यह महाद्वीप, भूमि की एक सँकरी पट्टी के रूप में बदल गया है, जिसे 'मध्य अमेरिका' कहते हैं। यह उत्तर अमेरिका और दक्षिण अमेरिका को जोड़ता है। अतः कथन 3 भी सही है। वेस्टइंडीज (पश्चिमी द्वीप समूह) जो अनेक द्वीपों का समूह है, इसी महाद्वीप का भाग है।

2. कनाडा के उत्तरी भागों में वायु परिवहन के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये:

1. इन भागों में वायुयान भूमि पर उतरने के लिये प्रायः झीलों और नदियों का प्रयोग करते हैं।
2. इन भागों में शीत ऋतु में वायुयान उतरने के लिये पहियों के स्थान पर बर्फ पर फिसलने वाली तख्तियों का उपयोग करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: उपर्युक्त दोनों कथन सही हैं।

- कनाडा के सभी प्रमुख नगर वायुमार्गों से जुड़े हैं। कनाडा के उत्तरी भागों में वायुयान भूमि पर उतरने के लिये प्रायः झीलों और नदियों का प्रयोग करते हैं।
- शीत ऋतु में ये झीलें जम जाती हैं। ऐसे में वायुयान उतारने के लिये पहियों के स्थान पर बर्फ पर फिसलने वाली तख्तियों का उपयोग करते हैं। ऐसे वायुयानों को 'स्की वायुयान' कहते हैं।

- ग्रीष्म ऋतु में वायुयान झीलों, खाड़ियों और नदियों के जल में उतरते हैं। इस समय इसमें पहियों की जगह पानी में तैरने वाले उपकरण लगे होते हैं, जो वायुयान को पानी में तैराते हैं।

3. निम्नलिखित में से कौन-से उत्तर अमेरिका के भौतिक भागों में सम्मिलित हैं?

1. कनाडियन शील्ड
2. अप्लेशियन पर्वत या पूर्वी उच्च भूमियाँ
3. मध्यवर्ती विशाल मैदान
4. पश्चिमी कॉर्डिलेरा या पर्वत श्रेणी

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2 और 4
(c) केवल 1, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d)

व्याख्या: उपर्युक्त सभी उत्तर अमेरिका के भौतिक भागों में सम्मिलित हैं। उत्तर अमेरिका को चार प्रमुख भौतिक भागों में बाँटा जा सकता है। ये भाग हैं-

- कनाडियन शील्ड
- अप्लेशियन पर्वत या पूर्वी उच्च भूमियाँ
- मध्यवर्ती विशाल मैदान
- पश्चिमी कॉर्डिलेरा या पर्वत श्रेणी

4. कनाडियन शील्ड के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह शील्ड कनाडा के संपूर्ण भाग में फैली हुई है।
2. इसका निर्माण प्राचीन कठोर चट्टानों से हुआ है।
3. सेंट लॉरेंस नदी की निम्न भूमियाँ इसका दक्षिणी भाग हैं।
4. इस शील्ड में खनिज संसाधनों का अभाव है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही नहीं हैं?

- (a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 4 (d) केवल 1, 2 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या: कथन 1 गलत है, क्योंकि कनाडियन शील्ड कनाडा के लगभग आधे भाग में फैली है।

- इसका निर्माण प्राचीन कठोर चट्टानों से हुआ है। अतः कथन 2 सही है। निरंतर अपरदन के कारण इसकी ऊँचाई 300-400 मीटर से भी कम रह गई है। इसके बड़े भाग में दलदली भूमि और अनेक झीलें हैं। उदाहरण के लिये ग्रेट बीयर, विनिपेग तथा ग्रेट लेक्स (सुपीरियर, ह्यूरोन, मिशिगन, ईरी व ओंटेरियो) इनमें प्रमुख हैं।
- इस शील्ड का उत्तरी भाग वर्ष के अधिकतर महीने बर्फ से ढका रहता है तथा इसके दक्षिणी भाग में 'ग्रेट लेक्स' तथा 'सेंट लॉरेंस नदी की निम्न भूमियाँ' हैं। अतः कथन 3 भी सही है।

सामाजिक विज्ञान-संसाधन एवं विकास

1. संसाधन

1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पेटेंट को सही तरीके से परिभाषित करता है/हैं?
- किसी विचार अथवा आविष्कार पर एकमात्र अधिकार
 - किसी कलात्मक पूंजी पर एकमात्र अधिकार
 - किसी व्यावसायिक बौद्धिक पूंजी पर एकमात्र अधिकार
 - उपर्युक्त सभी

उत्तर: (a)

व्याख्या: 'पेटेंट' से तात्पर्य किसी विचार अथवा आविष्कार पर एकमात्र अधिकार से है। इसका संकेत R है।

- कलात्मक पूंजी, जैसे- किताबें, लेख या चित्र आदि पर एकमात्र अधिकार को 'कॉपीराइट' कहा जाता है। इसका संकेत C है।
- व्यावसायिक बौद्धिक पूंजी के स्वामित्व को 'ट्रेडमार्क' कहा जाता है। इसका संकेत TM है।

2. नीचे दिये गए कथनों में से कौन-सा कथन 'सतत् पोषणीय विकास' को परिभाषित करता है?
- आर्थिक विकास के लिये संसाधनों का उपयोग
 - प्राकृतिक संसाधनों का सभी लोगों के बीच समान रूप से वितरण
 - संसाधनों का उपयोग करने की आवश्यकता और भविष्य के लिये उनके संरक्षण में संतुलन बनाए रखना
 - संसाधनों का पर्याप्त दोहन, ताकि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता की पूर्ति हो सके

उत्तर: (c)

व्याख्या: संसाधनों का सतर्कतापूर्वक उपयोग करना और उन्हें नवीकरण के लिये समय देना, 'संसाधन संरक्षण' कहलाता है।

- संसाधनों का उपयोग करने की आवश्यकता और भविष्य के लिये उनके संरक्षण में संतुलन बनाए रखना ही 'सतत् पोषणीय विकास' कहलाता है अर्थात् संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करना, ताकि न केवल वर्तमान पीढ़ी की अपितु भावी पीढ़ियों की आवश्यकताएँ पूरी होती रहें।

3. संसाधनों के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये:
- वे संसाधन जिनकी मात्रा ज्ञात होती है उन्हें 'वास्तविक संसाधन' कहते हैं।
 - वे संसाधन जिनकी संपूर्ण मात्रा ज्ञात नहीं हो सकती उन्हें 'संभाव्य संसाधन' कहते हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।

- वास्तविक संसाधनों की मात्रा ज्ञात होती है जिनका वर्तमान में उपयोग भी किया जा रहा है। उदाहरण के रूप में रूर प्रदेश का कोयला, पश्चिम एशिया का खनिज तेल आदि।
- संभाव्य संसाधनों की मात्रा ज्ञात नहीं होती है, किंतु इनका उपयोग भविष्य में किया जा सकता है। उदाहरण के रूप में लद्दाख में पाया जाने वाला यूरेनियम आदि।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा/से अजैव संसाधन है/हैं?

- मृदा
- चट्टानें
- वृक्ष
- खनिज

कूट:

- केवल 2 और 4
- केवल 1, 2 और 4
- केवल 4
- 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

व्याख्या: संसाधनों को उत्पत्ति के आधार पर अजैव व जैव संसाधनों में वर्गीकृत किया जा सकता है। अजैव संसाधन निर्जीव वस्तुएँ होती हैं, जैसे- मृदा, चट्टानें और खनिज आदि। वहीं जैव संसाधन सजीव होते हैं, जैसे- पौधे व जंतु आदि।

2. भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन संसाधन

1. मृदा निर्माण के संबंध में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये:
- मृदा अपक्षय की प्रक्रिया के माध्यम से बनती है।
 - वनस्पति, प्राणी और सूक्ष्म जीव ह्यूमस निर्माण की दर को प्रभावित करते हैं।
 - उच्चावच तुंगता और ढाल मृदा परिच्छेदिका की मोटाई को निश्चित करते हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- केवल 3
- उपर्युक्त सभी

उत्तर: (a)

व्याख्या: कथन 1 एवं 2 सत्य हैं तथा कथन 3 असत्य है।

- मृदा का निर्माण चट्टानों से प्राप्त खनिजों और जैव पदार्थों तथा भूमि पर पाये जाने वाले खनिजों से होता है। मृदा अपक्षय की प्रक्रिया के माध्यम से बनती है। मृदा निर्माण की प्रक्रिया विभिन्न कारकों द्वारा प्रभावित होती है।

- ◆ जलवायु, तापमान, वर्षा, अपक्षय और ह्यूमस मृदा निर्माण की दर को प्रभावित करते हैं।

- ◆ समय, मृदा परिच्छेदिका की मोटाई को निश्चित करता है।

भूगोल

नोट: कक्षा IX : सामाजिक विज्ञान-समकालीन भारत-1 एवं कक्षा XI - भारत : भौतिक पर्यावरण

1. भारत-आकार और स्थिति

1. भारत के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत देश उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
2. भारत का सबसे पूर्वी देशांतर 80°7' है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- केवल कथन 1 सत्य है। भारत उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
- कथन 2 असत्य है। भारत का मुख्य भाग 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तरी अक्षांश तथा 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्वी देशांतर तक विस्तारित है।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय संघ राज्य का सबसे दक्षिणी बिंदु है?

- (a) इंदिरा कॉल
- (b) इंदिरा पॉइंट
- (c) कन्याकुमारी
- (d) पॉइंट पेड्रो

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारतीय संघ राज्य के सबसे दक्षिणी बिंदु को 'इंदिरा पॉइंट' कहा जाता है। सन् 2004 में सुनामी आने के कारण यह क्षेत्र जलमग्न हो गया।
- भारतीय संघ राज्य का सबसे उत्तरी बिंदु 'इंदिरा कॉल' है, जो केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में है तथा सबसे पश्चिमी बिंदु 'गुहर मोती' (गुजरात) और सबसे पूर्वी बिंदु 'किबिथु' (अरुणाचल प्रदेश) है।

3. भारत के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारत का क्षेत्रफल विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 3 प्रतिशत है।
2. भारत की उत्तर-पूर्वी सीमा पर भ्रंशोत्थ पर्वत अवस्थित है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- कथन 1 असत्य है। भारत के भू-भाग का कुल क्षेत्रफल लगभग 32.8 लाख वर्ग किमी. है, जो विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत है।
- भारत विश्व का सातवाँ बड़ा देश है। भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत से 6 बड़े देश हैं- रूस, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ब्राज़ील और ऑस्ट्रेलिया।

नोट: पुरानी NCERT कक्षा-VIII की भूगोल की पाठ्यपुस्तक 'देश और उनके निवासी, भाग-3' में आकार की दृष्टि से चीन को संसार का तीसरा सबसे बड़ा देश बताया गया है।

- कथन 2 भी असत्य है। भारत के उत्तर-पश्चिम, उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी सीमा पर नवीन वलित पर्वत 'हिमालय' अवस्थित है।

4. निम्नलिखित में से क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे बड़ा एवं सबसे छोटा राज्य क्रमशः कौन-सा है?

- (a) गुजरात, सिक्किम
- (b) राजस्थान, गोवा
- (c) उत्तर प्रदेश, गोवा
- (d) मध्य प्रदेश, त्रिपुरा

उत्तर: (b)

व्याख्या: क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान है, जबकि सबसे छोटा राज्य गोवा है।

5. पुदुच्चेरी केंद्रशासित प्रदेश तीन राज्यों में फैला हुआ है। इसको विभिन्न जिलों और उनकी अवस्थितियों के संबंध में नीचे दिये गए युग्मों को सुमेलित कीजिये:

1. यनम - आंध्र प्रदेश
2. कराईकल - तमिलनाडु
3. माहे - केरल

कूट:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: उपर्युक्त सभी युग्म सुमेलित हैं।

- पुदुच्चेरी बंगाल की खाड़ी के पूर्व में स्थित एक केंद्रशासित प्रदेश है, जो मुख्यतः 4 बिना जुड़े हुए जिलों से मिलकर बना है। ये जिले हैं- पुदुच्चेरी, कराईकल, यनम, माहे।

- ◆ यनम, आंध्र प्रदेश में बंगाल की खाड़ी के पास स्थित है।
- ◆ कराईकल, तमिलनाडु में स्थित है।
- ◆ माहे, अरब सागर (केरल) में स्थित है।

सामाजिक विज्ञान-समकालीन भारत-2

1. संसाधन एवं विकास

1. मनुष्य, वनस्पतिजात एवं प्राणीजात किस प्रकार के संसाधन हैं?

- जैव संसाधन
- अजैव संसाधन
- नवीकरण योग्य संसाधन
- संभावी संसाधन

उत्तर: (a)

व्याख्या: हमारे पर्यावरण में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु जो हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रयुक्त की जा सकती है और जिसको बनाने के लिये प्रौद्योगिकी उपलब्ध है, जो आर्थिक रूप से संभाव्य और सांस्कृतिक रूप से मान्य है, एक 'संसाधन' है।

- उत्पत्ति के आधार पर संसाधनों को दो वर्गों में विभाजित किया जाता है- जैव और अजैव।
- जैव संसाधनों की प्राप्ति जैवमंडल से होती है और इनमें जीवन व्याप्त है, जैसे- मनुष्य, वनस्पतिजात, प्राणिजात, मत्स्य जीवन, पशुधन आदि। वे सारे संसाधन जो निर्जीव वस्तुओं से बने हैं, 'अजैव संसाधन' कहलाते हैं। उदाहरण- चट्टानें और धातुएँ।

2. संसाधनों के वर्गीकरण से संबंधित निम्नलिखित में से कौन-सा/से युग्म सुमेलित है/हैं?

- समाप्यता के आधार पर — नवीकरण योग्य और अनवीकरण योग्य
- स्वामित्व के आधार पर — राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय
- विकास के स्तर के आधार पर — संभावी संसाधन और संचित कोष

कूट:

- केवल 1
- केवल 1 और 2
- केवल 2 और 3
- 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: संसाधनों का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया जा सकता है-

- उत्पत्ति के आधार पर-जैव संसाधन और अजैव संसाधन।
- समाप्यता के आधार पर-नवीकरण योग्य संसाधन और अनवीकरण योग्य संसाधन।
- नवीकरण योग्य संसाधन वे संसाधन हैं, जिन्हें भौतिक, रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रियाओं द्वारा नवीकृत या पुनः उत्पन्न किया जा सकता है। जैसे- सौर तथा पवन ऊर्जा, जल, वन व वन्य जीवन।
- अनवीकरण योग्य संसाधन वे संसाधन हैं, जिनका विकास एक लंबे भू-वैज्ञानिक अंतराल में होता है। खनिज और जीवाश्म ईंधन इस प्रकार के संसाधनों के उदाहरण हैं।
- स्वामित्व के आधार पर:** व्यक्तिगत संसाधन, सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन, राष्ट्रीय संसाधन और अंतर्राष्ट्रीय संसाधन।

- व्यक्तिगत संसाधन निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में भी होते हैं। बहुत से किसानों के पास सरकार द्वारा आवंटित भूमि होती है जिसके बदले में वे सरकार को लगान चुकाते हैं। बाग, चारागाह, तालाब और कुओं का जल आदि संसाधनों के निजी स्वामित्व के कुछ उदाहरण हैं।
- सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन वे संसाधन हैं, जो समुदाय के सभी सदस्यों को उपलब्ध होते हैं। गाँव की शामिलित भूमि (चारण भूमि, श्मशान भूमि, तालाब इत्यादि) और नगरीय क्षेत्रों के सार्वजनिक पार्क, पिकनिक स्थल और खेल के मैदान, वहाँ रहने वाले लोगों के लिये उपलब्ध हैं।
- विकास के स्तर के आधार पर-** संभावी संसाधन, विकसित संसाधन, भंडार और संचित कोष।
- संभावी संसाधन वे संसाधन हैं, जो किसी प्रदेश में विद्यमान होते हैं, परंतु इनका उपयोग नहीं किया गया है। उदाहरण के तौर पर भारत के पश्चिमी भाग, विशेषकर राजस्थान और गुजरात में पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की अपार संभावना है, परंतु इनका सही ढंग से विकास नहीं हुआ है।
- विकसित संसाधन वे संसाधन हैं, जिनका सर्वेक्षण किया जा चुका है और उनके उपयोग की गुणवत्ता और मात्रा निर्धारित की जा चुकी है।
- भंडार पर्यावरण में उपलब्ध वे पदार्थ हैं, जो मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते हैं, परंतु उपयुक्त प्रौद्योगिकी के अभाव में हमारी पहुँच से बाहर है। उदाहरण के लिये जल, दो ज्वलनशील गैसों, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का यौगिक है तथा यह ऊर्जा का मुख्य स्रोत बन सकता है, परंतु इस उद्देश्य से इनका प्रयोग करने के लिये हमारे पास आवश्यक तकनीकी ज्ञान का अभाव है।
- संचित कोष संसाधन भंडार का ही हिस्सा है, जिन्हें उपलब्ध तकनीकी ज्ञान की सहायता से प्रयोग में लाया जा सकता है, परंतु इनका उपयोग अभी आरंभ नहीं हुआ है। इनका उपयोग भविष्य में आवश्यकता पूर्ति के लिये किया जा सकता है। बांधों का जल, वन आदि संचित कोष है, जिनका उपयोग भविष्य में किया जा सकता है।

3. रियो डि जेनेरो पृथ्वी सम्मेलन, 1992 में किन समस्याओं का हल ढूँढने का प्रयास किया गया?

- पर्यावरणीय समस्या
- सामाजिक-आर्थिक विकास की समस्या
- वन्यजीवों की तस्करी की समस्या

कूट:

- केवल 1
- केवल 1 और 2
- केवल 1 और 3
- उपर्युक्त सभी

उत्तर: (b)

व्याख्या: जून 1992 में 100 से भी अधिक राष्ट्रीय ब्राजील के शहर रियो डि जेनेरो में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन में एकत्रित हुए।

- इस सम्मेलन का आयोजन विश्व स्तर पर उभरते पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक विकास की समस्याओं का हल ढूँढने के लिये किया गया था।
- इस सम्मेलन में एकत्रित नेताओं ने भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता पर एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर भी किये।

भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत

1. भूगोल-एक विषय के रूप में

1. निम्नलिखित में से किसने सर्वप्रथम 'भूगोल' शब्द का प्रयोग किया था?
- (a) इरेटोस्थनीज (b) अरस्तू
(c) गैलीलियो (d) भास्कराचार्य

उत्तर: (a)

व्याख्या: सर्वप्रथम 'भूगोल' (Geography) शब्द का प्रयोग इरेटोस्थनीज, एक ग्रीक विद्वान (276-194 ई.पू.) ने किया। यह शब्द, ग्रीक भाषा के दो मूल शब्दों 'Geo' (पृथ्वी) एवं 'Graphos' (वर्णन) से प्राप्त किया गया है। दोनों को एक साथ रखने पर इसका अर्थ बनता है- 'पृथ्वी का वर्णन'।

2. पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
- निहारिका (Nebula) को सौरमंडल का जनक माना जाता है।
 - सूर्य व क्षुद्र ग्रहों की पट्टी के बीच स्थित ग्रहों को भीतरी ग्रह (Inner Planets) कहा जाता है।
 - हमारे सौरमंडल में क्षुद्र ग्रह पट्टी के बाहर अवस्थित ग्रहों को बाहरी ग्रह (Outer Planets) कहा जाता है।
- उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
- (a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

- हाइड्रोजन गैस से बने विशाल बादलों के संचयन को 'निहारिका' (Nebula) कहा जाता है। निहारिका को सौरमंडल का जनक माना जाता है।
- सूर्य तथा क्षुद्र ग्रह पट्टी के बीच अवस्थित बुध, शुक्र, पृथ्वी व मंगल ग्रह को 'भीतरी ग्रह' (Inner Planets) कहा जाता है।
- क्षुद्र ग्रह पट्टी के बाहर स्थित ग्रहों, जैसे- बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेपच्यून को 'बाहरी ग्रह' (Outer Planets) कहा जाता है।

2. **कथन (A):** बुध, शुक्र व मंगल ग्रह को 'पार्थिव (Terrestrial) ग्रह' कहा जाता है।

कारण (R): बुध, शुक्र व मंगल ग्रह गैसों से बने हैं।

कूट:

- (a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
(b) A और R दोनों सही हैं किंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) A सही है, R गलत है।
(d) A गलत है, R सही है।

उत्तर: (c)

व्याख्या: सूर्य और क्षुद्र ग्रह पट्टी के बीच अवस्थित बुध, शुक्र, पृथ्वी व मंगल ग्रह को 'पार्थिव ग्रह' (Terrestrial Planet) कहा जाता है। अतः कथन सही है।

- बुध, शुक्र व मंगल ग्रह पृथ्वी की भाँति ही शैलों और धातुओं से बने हैं और अपेक्षाकृत अधिक घनत्व वाले ग्रह हैं। इसी कारण इनको 'पार्थिव ग्रह' कहा जाता है। अतः कारण गलत है।
- अन्य चार ग्रह (बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेपच्यून) गैस से बने 'विशाल ग्रह' या 'जोवियन (Jovian) ग्रह' कहलाते हैं। जोवियन का अर्थ है- बृहस्पति (Jupiter) की तरह। इनमें से अधिकतर पार्थिव ग्रहों से विशाल हैं और हाइड्रोजन व हीलियम से बना सघन वायुमंडल है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- आधुनिक समय में ब्रह्मांड की उत्पत्ति संबंधी सर्वमान्य सिद्धांत बिग-बैंग सिद्धांत है।
- 1920 में एडविन हब्लल ने प्रमाण दिया कि ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है।
- प्रकाश वर्ष दूरी का मापक है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।

- आधुनिक समय में ब्रह्मांड की उत्पत्ति संबंधी सर्वमान्य सिद्धांत बिग बैंग सिद्धांत (Big Bang Theory) है। इसे विस्तारित ब्रह्मांड परिकल्पना (Expanding Universe Hypothesis) भी कहा जाता है।
- 1920 में एडविन हब्लल (Edwin Hubble) ने प्रमाण दिया कि ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है, जिसको उन्होंने आकाशगंगाओं के बीच बढ़ रही दूरी के आधार पर सिद्ध किया।
- प्रकाश वर्ष दूरी का मापक है। एक वर्ष में प्रकाश 1 लाख, 86 हजार मील/सेकंड के वेग से निर्वात में जितनी दूरी तय करेगा, वह 1 प्रकाश वर्ष होगा। यह 9.461×10^{12} किमी. के बराबर है।
- पृथ्वी और सूर्य की औसत दूरी 14 करोड़, 95 लाख, 98 हजार किलोमीटर है। प्रकाश वर्ष के संदर्भ में यह प्रकाश वर्ष का केवल 8.311 मिनट है।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- जुरैसिक कल्प में डायनासोर का विकास हुआ।
- स्थल पर जीवन के प्रथम चिह्न (पौधे) का विकास सिलुरियन कल्प में हुआ।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

1. मानव भूगोल-प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

1. मानव भूगोल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- मानव भूगोल, मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।
- मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।
- हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीवों के मध्य संबंधों के अधिक संश्लेषित ज्ञान से उत्पन्न संकल्पना मानव भूगोल है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: मानव भूगोल के संबंध में कई आधारों पर विद्वानों द्वारा परिभाषाएँ दी गईं, जो निम्नलिखित हैं-

- **रैटजेल के अनुसार**, “मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।” इनके द्वारा दी गई परिभाषा में संश्लेषण पर जोर दिया गया है।
- **एलन सी. सेपल के अनुसार**, “मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।” इस परिभाषा में संबंधों की गत्यात्मकता मुख्य शब्द है।
- **पॉल विडाल-डी-ला ब्लाश के अनुसार**, “हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीवों के मध्य संबंधों के अधिक संश्लेषित ज्ञान से उत्पन्न संकल्पना मानव भूगोल है।” इस प्रकार मानव भूगोल पृथ्वी और मनुष्य के अंतर्संबंधों की एक नई संकल्पना प्रस्तुत करता है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- भौतिक भूगोल मानव जगत् के बीच संबंध, मानवीय परिघटनाओं का स्थानिक वितरण तथा उनके घटित होने के कारण एवं विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करता है।
- कोई भी घटना अथवा परिघटना जो दिक् काल के संदर्भ में परिवर्तित होती है, उसका भौगोलिक ढंग से अध्ययन नहीं किया जा सकता है।
- भूगोल का मुख्य सरोकार पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझना और उन सभी तत्वों का अध्ययन करना है, जिन्होंने मानव को पोषित किया है।
- मानव भूगोल सिर्फ भौतिक भूगोल का अध्ययन करता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही नहीं है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
(c) केवल 1, 2 और 4 (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या: भौतिक भूगोल के अंतर्गत भौतिक पर्यावरण का अध्ययन किया जाता है। अतः कथन 1 सही नहीं है।

- मानव भूगोल न सिर्फ भौतिक भूगोल बल्कि भौतिक/प्राकृतिक एवं मानवीय जगत् के बीच संबंध, मानवीय परिघटनाओं का स्थानिक वितरण तथा उनके घटित होने के कारण एवं विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करता है। अतः कथन 4 सही नहीं है।
- एक अध्ययन क्षेत्र के रूप में भूगोल समाकलनात्मक, आनुभविक एवं व्यावहारिक है। अतः भूगोल की पहुँच विस्तृत है और किसी भी घटना अथवा परिघटना जो दिक् काल के संदर्भ में परिवर्तित होती है, उसका भौगोलिक ढंग से अध्ययन किया जा सकता है। अतः कथन 2 सही नहीं है।
- एक विषय के रूप में भूगोल का सरोकार पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझना और उन सभी तत्वों का अध्ययन करना है, जिन्होंने मानव को पोषित किया है। अतः कथन 3 सही है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा एक मानव और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक है?

- (a) मानव का अनुभव
(b) मानव की बुद्धिमत्ता
(c) प्रौद्योगिकी
(d) मानव कल्याण

उत्तर: (c)

व्याख्या: मनुष्य प्रौद्योगिकी की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण से अन्योन्यक्रिया करता है। यह महत्वपूर्ण नहीं है कि मानव क्या उत्पन्न और निर्माण करता है, बल्कि यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वह किन उपकरणों और तकनीकों की सहायता से उत्पादन और निर्माण करता है। अतः विकल्प (c) सत्य है।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

- प्रौद्योगिकी किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है।
- मानव भूगोल, भौतिक पर्यावरण तथा मानव जनित सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण के अंतर्संबंधों का अध्ययन उनकी परस्पर अन्योन्यक्रिया के द्वारा करता है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- (a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

भारत : लोग और अर्थव्यवस्था

1. जनसंख्या: वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन

1. जनसंख्या वितरण के प्रतिरूपों को निम्नलिखित में से कौन-सा/से भौतिक कारक निर्धारित करता है/करते हैं?

- भू-विन्यास
- जल की उपलब्धता
- जलवायु
- उपर्युक्त सभी

उत्तर: (d)

व्याख्या: ध्यातव्य है कि जनसंख्या वितरण में भौतिक कारक अधिक प्रभाव रखते हैं। जहाँ जीवन के अनुकूल परिस्थितियाँ होंगी, वहाँ जनसंख्या का घनत्व अधिक होगा।

● भू-विन्यास, जल की उपलब्धता और जलवायु प्रमुख रूप से वितरण के प्रतिरूपों का निर्धारण करती है, उदाहरण के लिये हम देखते हैं कि उत्तर भारत के मैदानों, डेल्टाओं और तटीय मैदानों में जनसंख्या का अनुपात दक्षिणी और मध्य भारत के राज्यों के आंतरिक जिलों, हिमालय, उत्तर-पूर्वी और पश्चिमी राज्यों की अपेक्षा उच्च है।

2. वर्तमान में राजस्थान राज्य में उच्चावच एवं जलवायु की प्रतिकूल स्थिति के बावजूद जनसंख्या अनुपात के बढ़ने के लिये मुख्य रूप से निम्नलिखित में से कौन-सा/से कारण उत्तरदायी है/हैं?

- सिंचाई साधनों का विकास
- खनिज एवं ऊर्जा संसाधनों की उपलब्धता
- परिवहन जाल का विकास

कूट:

- केवल 1
- केवल 3
- केवल 1 और 2
- 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: राजस्थान भारत का सबसे गर्म तथा सबसे अधिक मरुस्थलीय क्षेत्र वाला राज्य है, यहाँ औसत वार्षिक वर्षा न्यूनतम होती है। चूँकि कृषि भी जल संसाधनों पर निर्भर है। अतः सिंचाई के साधनों के विकास तथा जल की उपलब्धता के बढ़ने से राजस्थान के जिलों में जनसंख्या घनत्व तेजी से बढ़ा है।

3. निम्नलिखित राज्यों में से किस एक में जनसंख्या घनत्व सबसे कम है?

- तमिलनाडु
- केरल
- अरुणाचल प्रदेश
- दिल्ली

उत्तर: (c)

व्याख्या: जनगणना-2011 के अनुसार भारत के अरुणाचल प्रदेश राज्य में सबसे कम जनसंख्या घनत्व (17 व्यक्ति/किमी.²) है।

● दक्षिण भारत के राज्यों में केरल में (860 व्यक्ति/किमी.²) तथा तमिलनाडु में (555 व्यक्ति/किमी.²) जनसंख्या घनत्व है। अतः विकल्प (c) सही है।

4. निम्नलिखित केंद्रशासित राज्यों में से किस एक राज्य में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है?

- अंडमान-निकोबार द्वीप
- दिल्ली
- दादरा और नगर हवेली
- चंडीगढ़

उत्तर: (b)

व्याख्या: भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूहों को छोड़कर केंद्रशासित प्रदेशों में जनसंख्या के उच्च घनत्व पाये जाते हैं, जिसमें दिल्ली में जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक (11,320 व्यक्ति/किमी.²); चंडीगढ़ (9258 व्यक्ति/किमी.²), पुदुच्चेरी (2547 व्यक्ति/किमी.²), दमन व दीव (2199 व्यक्ति/किमी.²), लक्षद्वीप (2149 व्यक्ति/किमी.²), दादरा और नगर हवेली (700 व्यक्ति/किमी.²) तथा अंडमान-निकोबार द्वीप समूहों में सबसे कम (46 व्यक्ति/किमी.²) जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

- दो समय बिंदुओं के बीच किसी क्षेत्र-विशेष में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन जनसंख्या वृद्धि कहलाती है।
- प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण अशोधित जन्म दर और मृत्यु दरों से निर्धारित किया जाता है।

कूट:

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: जनसंख्या वृद्धि दो समय बिंदुओं के बीच किसी क्षेत्र-विशेष में रहने वाले लोगों की संख्या में परिवर्तन को कहते हैं। अतः कथन 1 सही है।

● जनसंख्या वृद्धि के दो घटक हैं - प्राकृतिक और अभिप्रेरित।

- प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण अशोधित जन्म दर और मृत्यु दरों द्वारा निर्धारित किया जाता है।
- अभिप्रेरित घटकों को किसी दिये गए क्षेत्र में लोगों के अंतर्वर्ती और बहिर्वर्ती संचलन की प्रबलता द्वारा स्पष्ट किया जाता है।

6. 2001-2011 के दौरान भारत के किस राज्य की जनसंख्या वृद्धि सबसे कम दर्ज की गई है?

- आंध्र प्रदेश
- ओडिशा
- केरल
- नागालैंड

उत्तर: (d)

व्याख्या: भारतीय जनगणना-2011 के अंतिम आँकड़े के अनुसार, 2001-2011 के मध्य न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर वाले राज्यों में क्रमशः बढ़ते हुए क्रम में नागालैंड (-0.6%), केरल (4.91%), गोवा (8.23%) दर्ज किया गया।

7. भारत में सबसे बड़ा भाषायी समूह है-

- द्रविड़
- चीनी-तिब्बती
- भारतीय-यूरोपीय (आर्य)
- ऑस्ट्रिक

Think
IAS

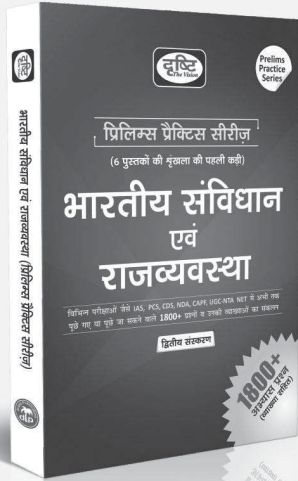


Think
Drishti

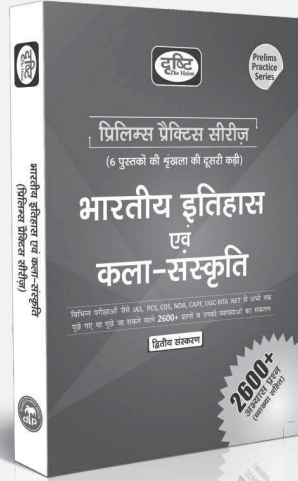
प्रिलिम्स प्रैक्टिस सीरीज़ की पुस्तकें

(यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पर केंद्रित)

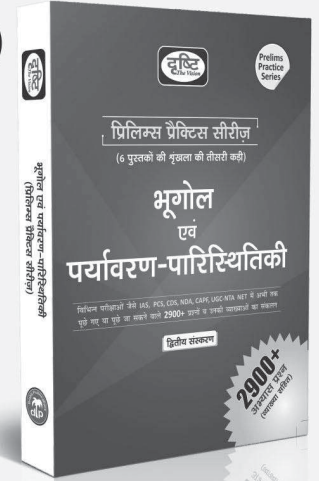
1



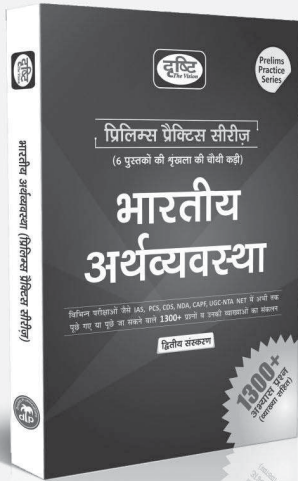
2



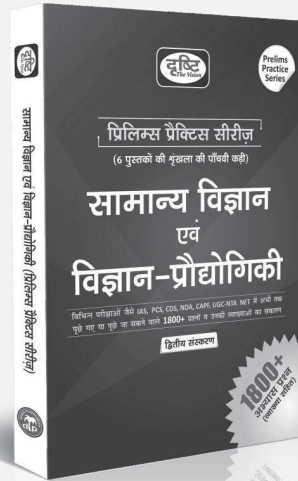
3



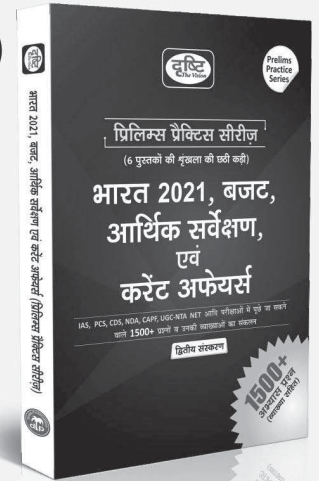
4



5



6



विस्तृत जानकारी के लिये कॉल करें 8448485520, 87501-87501, 011-47532596



घर बैठे IAS/PCS की
संपूर्ण तैयारी करने के लिये
आपका स्वागत है

Drishti Learning App

पर



अपने एंड्रॉयड फोन पर आज ही इंस्टॉल करें

ऐप की विशेषताएँ

- टीम दृष्टि द्वारा दी जाने वाली सभी सुविधाएँ एक ही मंच पर।
- ऑनलाइन, पेनड्राइव मोड में कक्षाएँ उपलब्ध।
- प्रिलिम्स और मेन्स की टेस्ट सीरीज़ भी ऐप के माध्यम से उपलब्ध।
- सभी पुस्तकें, मैगजीन, डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम के नोट्स देखने व मंगवाने की सुविधा।

ऑनलाइन कोर्स की विशेषताएँ

- घर बैठे देश के सर्वोत्कृष्ट अध्यापकों से पढ़ने की सुविधा।
- अब दिल्ली या किसी बड़े शहर जाकर पढ़ने की मजबूरी नहीं।
- IAS और PCS के कोर्स उपलब्ध।
- ऑनलाइन कोर्स करने के बाद, क्लासरूम कोर्स में प्रवेश लेने पर शुल्क में विशेष छूट।
- हर क्लास अपनी सुविधा से 3 बार देखने की सुविधा।
- उत्तर लिखकर चेक कराने तथा संदेह-समाधान की व्यवस्था भी शीघ्र उपलब्ध।
- कई विषयों के कोर्स ऑनलाइन और पेनड्राइव मोड में भी उपलब्ध।

दृष्टि आई.ए.एस. (दिल्ली शाखा) का पता
641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-09
8448485519, 8750187501,
011-47532596

दृष्टि आई.ए.एस. (प्रयागराज शाखा) का पता
ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइन्स, प्रयागराज
8448485518, 8750187501, 8929439702

दृष्टि आई.ए.एस. (राजस्थान शाखा) का पता
प्लॉट नंबर-45 व 45-A, हर्ष टावर-2, मेन टॉक रोड,
वसुंधरा कॉलोनी, जयपुर राजस्थान-302018
8448485518, 8750187501, 8929439702

दृष्टि पब्लिकेशन्स की प्रमुख पुस्तकें



641, 1st Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-110009

Ph.: 011-47532596, 87501 87501

Website: www.drishtias.com

E-mail: booksteam@groupdrishti.com

ISBN 978-81-936314-5-4



9 788193 631454

मूल्य : ₹ 250